

# आरती कैलेंडर

## शिवजी की आरती

ओ३म् जय शिव ओंकारा स्वामी जय शिव ओंकारा ।  
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव अर्द्धांगी धारा ॥  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥  
एकानन चतुरानन पंचानन राजे ।  
हंसानन गरुडासन वृषवाहन साजे ।  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥  
दो भुज चार चतुर्भुज दश भुज ते सोहे ।  
तीनों रूप निरखता त्रिभुवन मन मोहे ।  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥  
अक्षमाला वनमाला रुण्डमाला धारी ।  
चन्दन मृगमद सोहे भाले शुभकारी ॥  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥  
श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे ।  
सनकादिक ब्रह्मादिक प्रेतादिक संगे ।  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥  
कर के बीच कमण्डल चक्र त्रिशूल धर्ता ।  
जग कर्ता जगहर्ता जग पालनकर्ता ॥  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥  
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका ।  
प्रणवाक्षर के मध्य तीनों ही एका ।  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥  
त्रिगुण स्वामीजी की आरती जो कोई गावे ।  
कहत शिवानंद स्वामी मनवांछित फल पावे ।  
ओ३म् जय शिव ओंकारा ॥

—• शिवरात्रि •—

24<sup>th</sup> February 2017

13<sup>th</sup> February 2018

4<sup>th</sup> March 2019

21<sup>st</sup> February 2020



## रामजी की आरती



श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन हरण भवभय दारुणम्,  
नवकंज लोचन, कंज मुख, कर कंज, पद कंजारुणम् ।

कंदर्प अगणित अमित छबि नव नील नीरज सुन्दरम् ।  
पटपीत मानहु तड़ित रुचि शुचि नौमि जनक सुतावरम् ।

भजु दीनबन्धु दिनेश दानव-दैत्य वंश-निकन्दनम् ।  
रघुनन्द आनन्दकन्द कौशल्य-चन्द दशरथ-नन्दनम् ।

सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उडार अंग विभूषणम्,  
आजानुभुज सर-चाप-धर, संग्राम जित खर-दूषणम् ।

इति वदति तुलसीदास शंकर-शेष-मुनि-मनरंजनम्,  
मम हृदय-कंज-निवास कुरु, कामादि खल-दल-गंजनम् ॥



## —• रामनवमी •—

5<sup>th</sup> April 2017

25<sup>th</sup> March 2018

14<sup>th</sup> April 2019

2<sup>nd</sup> April 2020

## हनुमान जी की आरती

आरती कीजै हनुमान लला की । दुष्टदलन रघुनाथ कला की ॥  
जाके बल से गिरिवर कांपै । रोग दोष जाके निकट न झांके ॥  
अंजनि पुत्र महा बल दाई । संतन के प्रभु सदा सहाई ॥  
दे बीरा रघुनाथ पठाये । लंका जारि सीय सुधि लाये ॥  
लंका सो कोटि समुद्र सी खाई । जात पवनसुत बार न लाई ॥  
लंका जारि असुर संहारे । सियाराम जी के काज संवारे ॥  
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे । लाय संजीवन प्राण उबारे ॥  
पैठि पाताल तोरि जम कारे । अहिरावन की भुजा उखारे ॥  
बायै भुजा असुर दल मारे । दाहिने भुजा संत जन तारे ॥  
सुर नर मुनि जन आरती उतारे । जै जै जै हनुमान उचारे ॥  
कंचन थाल कपूर लौ छाई । आरती करत अंजना माई ॥  
जो हनुमान जी की आरती गावै । बसि बैकुंठ परमपद पावै ॥

## हनुमान जयंती

11<sup>th</sup> April 2017

31<sup>th</sup> March 2018

19<sup>th</sup> April 2019

8<sup>th</sup> April 2020



## शनि देव की आरती

जय जय श्री शनिदेव भक्तन हितकारी ।  
सूरज के पुत्र प्रभु छाया महतारी ॥ जय. ॥  
श्याम अंक वक्र दृष्ट चतुर्भुजा धारी ।  
नीलाम्बर धार नाथ गज की असवारी ॥ जय. ॥  
क्रीट मुकुट शीश रजित दिपत है लिलारी ।  
मुक्तन की माला गले शोभित बलिहारी ॥ जय. ॥  
मोदक मिष्ठान पान चढ़त हैं सुपारी ।  
लोहा तिल तेल उड़द महिषी अति प्यारी ॥ जय. ॥  
देव दनुज ऋषि मुनि सुमरिन नर नारी ॥  
विश्वनाथ धरत ध्यान शरण हैं तुम्हारी ॥ जय. ॥

## —• शनि जयंती •—

25<sup>th</sup> May 2017

15<sup>th</sup> May 2018

3<sup>rd</sup> June 2019

22<sup>nd</sup> May 2020

## कृष्ण जी की आरती



ॐ जय श्री कृष्ण हरे, प्रभु जय श्री कृष्ण हरे ।

भक्तन के दुख सारे पल में दूर करे ।

परमानन्द मुरारी मोहन गिरधारी, जय रस रास बिहारी जय जय गिरधारी ।  
कर कंकन कटि सोहत कानन में बाला, मोर मुकुट पीताम्बर सोहे बनमाला ।

दीन सुदामा तारे दरिद्रों के दुख टारे, गज के फन्द छुड़ाए भव सागर तारे ।  
हिरण्यकश्यप संहारे नरहरि रूप धरे, पाहन से प्रभु प्रगटे जम के बीच परे ।

केशी कंस विदारे नल कूबर तारे, दामोदर छवि सुन्दर भगतन के प्यारे ।  
काली नाग नथैया नटवर छवि सोहे, फन्न-फन्न नाचा करते नागन मन मोहे ।

राज्य उग्रसेन पाये माता शोक हरे, द्रुपद सुता पत राखी करुणा लाज भरे ।

ॐ जय श्री कृष्ण हरे ।



## • कृष्ण जनमाष्टमी •

15<sup>th</sup> August 2017

3<sup>rd</sup> September 2018

23<sup>rd</sup> August 2019

12<sup>th</sup> August 2020



## गणेश चर्तुथी



जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।  
माता जाकी पार्वती पिता महादेवा ॥ जय.  
एक दन्त दयावन्त चार भुजा धारी ।  
माथे सिन्दूर सोहे मूसे की सवारी ॥ जय.  
अन्धन को आँख देत कोढ़िन को काया ।  
बाँझत को पुत्र देत निर्धन को माया ॥ जय.  
हार चढ़े फूल चढ़े और चढ़े मेवा ।  
लड्डुअन को भोग लगे सन्त करे सेवा ॥ जय.  
दीनन की लाज राखो, शम्भु सुत वारी ।  
मनोरथ को पूरा करो, जय बलिहारी ॥ जय.



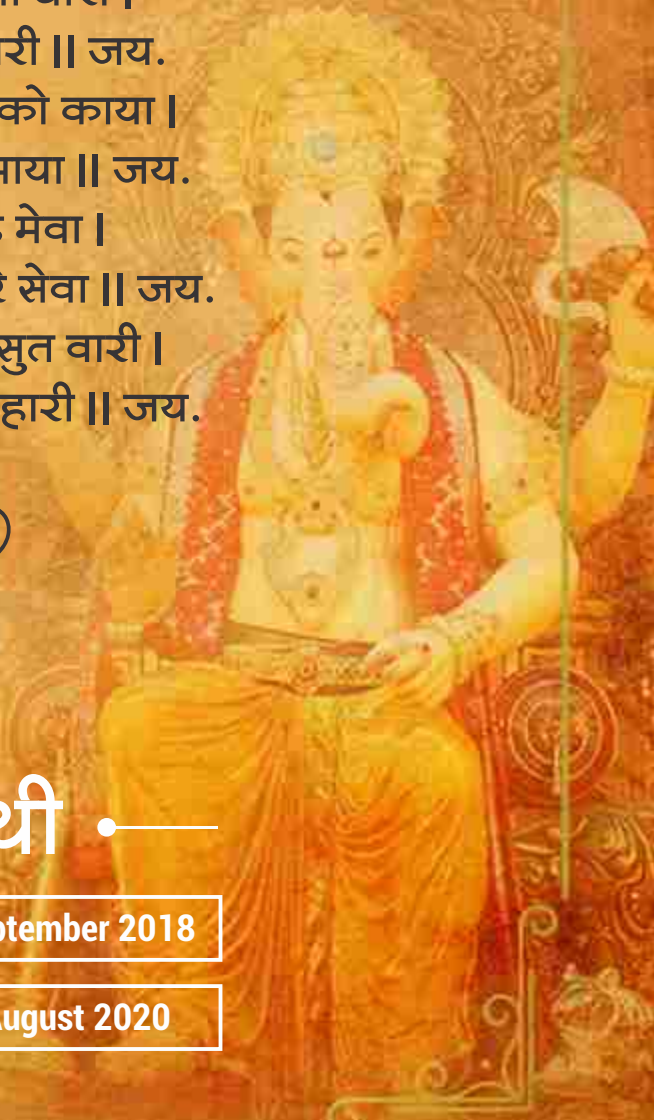
## • गणेश चर्तुथी •

25<sup>th</sup> August 2017

13<sup>th</sup> September 2018

2<sup>nd</sup> September 2019

22<sup>nd</sup> August 2020



## अम्बाजी की आरती

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी ।  
तुमको निशिदिन ध्यावत हरि ब्रह्मा शिवरी ॥ जय.  
मांग सिन्दूर विराजत टीको मृगमद को ।  
उज्ज्वल से दोउ नैना चन्द्रवदन नीको ॥ जय.  
कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजै ।  
रक्त-पुष्प गल माला कण्ठनपर साजै ॥ जय.  
केहरि वाहन राजत खड़ग खपर धारी ।  
सुर-नर-मुनि-जन सेवत तिनके दुखहारी ॥ जय.  
कानन कुण्डल शोभित नासबे मोती ।  
कोटिक चन्द्र दिवाकर राजत सम ज्योति ॥ जय.  
शुम्भ निशुम्भ विदारे महिषासुर-घाती ।  
धूम्रविलोचन नैना निशिदिन मदमाती ॥ जय.  
चण्ड मुण्ड संहारे, शोणितबीज हरे ।  
मधु कैटभ दोउ मारे सुर भयहीन करे ॥ जय.  
ब्रह्माणी रुद्राणी, तुम कमलारानी ।  
आगम-निगम-बरवानी, तुम शिव पटरानी ॥ जय.  
चौसठ योगिनी गावत, नृत्य करत भैरु ।  
बाजत ताल मृदंगा अरु बाजत डमरु ॥ जय.  
तुम ही जगकी माता, तुम ही हो भरता ।  
भक्तनकी दुख हरता सुख सम्पति करता ॥ जय.  
भुजा चार अति शोभित वर मुद्रा धारी ।  
मनवाछित फल पावत, सेवत नर-नारी ॥ जय.  
कंचन थाल विराजत अक्षर कपूर बाती ।  
श्री मालकेतु में राजत कोटि रतन ज्योति ॥ जय.  
श्री अम्बेजी की आरति जो कोई नर गावै ।  
कहत शिवानन्द स्वामी, सुख-सम्पति पावे ॥ जय.

## • नवरात्रि •

21<sup>st</sup> September 2017

9<sup>th</sup> October 2018

29<sup>th</sup> September 2019

17<sup>th</sup> October 2020



## लक्ष्मीजी की आरती

ओउम् जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।  
तुमको निसिदिन सेवत, हर विष्णु धाता ॥ ओउम् जय  
उमा रमा, ब्रह्माणी तुम ही जग-माता ।  
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ओउम् जय  
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति दाता ॥  
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋद्धि-सिद्ध धन पाता ॥ ओउम् जय  
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभदाता ।  
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता ॥ ओउम् जय  
जिस घर में तुम रहती, सब सद्गुण आता ।  
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता ॥ ओउम् जय  
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता ।  
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता । ओउम् जय  
शुभ-गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।  
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ॥ ओउम् जय  
मां लक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता ।  
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता । ओउम् जय

## —• दिपावली •—

19<sup>th</sup> October 2017

7<sup>th</sup> November 2018

27<sup>th</sup> October 2019

14<sup>th</sup> November 2020

## तुलसी जी की आरती



जय जय तुलसी माता  
सब जग की सुख दाता, वर दाता  
जय जय तुलसी माता ॥  
सब योगों के ऊपर, सब रोगों के ऊपर  
रुज से रक्षा करके भव त्राता  
जय जय तुलसी माता ॥  
बटु पुत्री हे श्यामा, सुर बल्ली हे ग्राम्या  
विष्णु प्रिये जो तुमको सेवे, सो नर तर जाता  
जय जय तुलसी माता ॥  
हरि के शीश विराजत, त्रिभुवन से हो वन्दित  
पतित जनो की तारिणी विख्याता  
जय जय तुलसी माता ॥  
लेकर जन्म विजन में, आई दिव्य भवन में  
मानवलोक तुम्ही से सुख संपत्ति पाता  
जय जय तुलसी माता ॥  
हरि को तुम अति प्यारी, श्यामवरण तुम्हारी  
प्रेम अजब हैं उनका तुमसे कैसा नाता  
जय जय तुलसी माता ॥



## • तुलसी विवाह •

1<sup>st</sup> November 2017

20<sup>th</sup> November 2018

9<sup>th</sup> November 2019

26<sup>th</sup> November 2020



## श्री सत्यनारायणजी की आरती

जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा ।  
सत्यनारायण स्वामी, जन-पातक-हरना ॥ जय...  
रत्न जड़ित सिंहासन, अद्भुत छबी राजे ।  
नारद कहत निरजन, घंटा धुन बाजे ॥ जय...  
प्रकट भए कलि कारण, द्विज को दर्श दियो ।  
बूढ़े ब्राह्मण बनकर, कंचन-महल कियो ॥ जय...  
दुर्बल भील कठारो, इनलपर कृपा करो ।  
चन्द्रचूड़ एक राजा, जिनकी विपत्ति हरी ॥ जय...  
वैश्य मनोरथ पायो, श्रद्धा तज दीनी ।  
सो फल भोग्यो प्रभुजी, फिर अस्तुति कीन्हीं ॥ जय...  
भाव-भक्ति के कारण, छिन-छिन रूप धर्यो ।  
श्रद्धा धारण कीनी, तिनको काज सर्यो ॥ जय...  
ग्वाल-बाल सँग राजा, वन में भक्ति करी ।  
मनवांछित फल दीन्हा दीनदयाल हरी ॥ जय...  
चढ़त प्रसाद सवायो, कदली फल मेवा ।  
धूप दीप तुलसी से, राजी सत्यदेवा ॥ जय...  
श्री सत्यनारायण जी की आरती जो कोई नर गावे ।  
तन-मन सुख-संपत्ति, मनवाछित फल पावे ॥ जय...





**SHARE  
AND  
SPREAD  
POSITIVITY**

